

Padma Shri



SMT. LAKHIMI BARUAH

Smt. Lakhimi Baruah is the Founder and Managing Director of Konoklota Mahila Urban Co-operative Bank Ltd., the first and only all women bank in the entire North East region of India. She is recognized as a symbol of women empowerment for her role in socio-economic upliftment of women through financial upliftment. The motto of her life is to eradicate poverty through financial empowerment of women.

2. Born on 1st September, 1949, Smt. Baruah received her Bachelor Degree in Arts from Dibrugarh University. She got associated with Co-operative movement at the age of 12, when she started weaving clothes under a cooperative weaving society to fulfil her financial needs. She later joined Sivasagar District Central Co-operative Bank Ltd. in Assam. She decided to quit her job to start the one and only all women bank Konoklota Mahila Urban Co-operative Bank Limited.

3. Smt. Baruah is reaching the poor and poorest section of the society through the Bank for women empowerment. It is to her credit that she has been able to spread financial literacy among the semi educated and uneducated people by thrift-credit habits, providing information, training and organizing SHG's. Several thousands of women from poor and poorer families have been benefited from the Micro loans extended by Bank for productive purposes. The women who were idle before are now busy with productive works like agriculture, animal husbandry, weaving, tailoring, preparation of food products, flower cultivation and nursery for business purpose and empowering themselves. The most interesting fact is that besides paying loan installments, women are now, contributing to the welfare of family like education and health of children, buying domestic necessities etc.

4. Smt. Baruah has become the friend, philosopher and guide of those women who were workless and poor before. At present, the Bank has four branches, 45000 customers and 12000 share-holders. It has provided loans to almost ten thousand women entrepreneurs through 1200 or more Self Help Groups. Under her dynamic leadership, the Konoklota Mahila Urban Co-operative Bank Limited had received the prestigious "Nari Shakti Purashkar — 2015 conferred by the Ministry of Women and Child Development, Government of India on 08th March 2016 and first best performing Co-operative Society Award in March 2017 conferred by the Government of Assam.

5. Smt. Baruah is the recipient of numerous awards and recognitions including Sahkarita Bharati Award for banking excellence (2006) by Indian Achievers Forum, New Delhi; Karmasree Award (2006) by Asam Sahitya Sabha; Joymoti Award 2009 by Dibrugarh Ladies Club; FICCI FLO Award (2009-10); NE Chapter women Achiever in the field of Banking; Exceptional Women of Excellence WEF-18 Award by Women Economic Forum of the All Ladies League; Sreemoyee Award, 2019 by News 18 Assam North East; Women of Worth by Outlook Business Group (2019); Rashtriya Swayamsiddh Samman by JSPL Foundation (2019); Jijabai Achievers Award by WDC, Shivaji College, University of Delhi (2020).



श्रीमती लखिमी बरुआ

श्रीमती लखिमी बरुआ कनोकलोता महिला शहरी सहकारी बैंक लिमिटेड की संस्थापक और प्रबंध निदेशक हैं। यह बैंक भारत के समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र में महिलाओं के लिए पहला और एकमात्र बैंक है। उन्हें वित्तीय उत्थान के माध्यम से महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में भूमिका निभाने के लिए महिला सशक्तीकरण का प्रतीक माना जाता है। उनके जीवन का ध्येय महिलाओं के वित्तीय सशक्तीकरण के माध्यम से गरीबी समाप्त करना है।

2. 1 सितंबर, 1949 को जन्मी श्रीमती बरुआ ने डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय से कला स्नातक की डिग्री प्राप्त की। वह 12 साल की उम्र में सहकारी आंदोलन से जुड़ गईं। उस समय उन्होंने अपनी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए एक सहकारी बुनाई सोसायटी के तहत कपड़े बुनना शुरू किया था। बाद में वह असम में शिवसागर जिला केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड में शामिल हो गईं। उन्होंने केवल महिलाओं के लिए कनोकलोता महिला शहरी सहकारी बैंक लिमिटेड शुरू करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ने का फैसला किया।

3. श्रीमती बरुआ महिला सशक्तीकरण के लिए बैंक के माध्यम से समाज के सबसे गरीब तबके तक पहुंच रही हैं। वह मितव्ययिता के साथ धन जमा करने की आदत अपनाकर अर्द्ध शिक्षित और अशिक्षित लोगों के बीच वित्तीय साक्षरता का प्रचार-प्रसार करने, स्वयं सहायता समूहों को जानकारी देने, उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें संगठित करने में सराहनीय रूप से सफल रहीं। गरीब से गरीब परिवारों की हजारों महिलाओं को उत्पादनकारी उद्देश्यों के लिए बैंक द्वारा प्रदान किए गए छोटे-छोटे ऋणों से फायदा पहुंचा है। जिन महिलाओं के पास पहले काम नहीं था, वे अब कृषि, पशुपालन, बुनाई, सिलाई, खाद्य उत्पादों के निर्माण, व्यावसायिक उद्देश्य के लिए फूलों की खेती और नर्सरी जैसे कार्यों में लग गईं और खुद को सशक्त बनाने लगीं। सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि महिलाएं अब ऋण की किस्तों का भुगतान करने के अलावा, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य, घरेलू जरूरतों का सामान आदि खरीदकर परिवार की खुशहाली की ओर ध्यान दे रही हैं।

4. श्रीमती बरुआ उन महिलाओं की मित्र, सलाहकार और मार्गदर्शक बन गईं, जो बेरोजगार और गरीब थीं। वर्तमान में बैंक की चार शाखाएं हैं, जिनके 45000 ग्राहक और 12000 शेयर धारक हैं। बैंक ने 1200 या उससे अधिक स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लगभग दस हजार महिला उद्यमियों को ऋण प्रदान किया है। उनके सक्रिय नेतृत्व में, कनोकलोता महिला शहरी सहकारी बैंक लिमिटेड को महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से 08 मार्च 2016 को प्रतिष्ठित "नारी शक्ति पुरस्कार— 2015 और मार्च 2017 में असम सरकार द्वारा पहला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला सहकारी समिति पुरस्कार प्रदान किया गया था।

5. श्रीमती बरुआ को कई पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए हैं, जिनमें इंडियन अचीवर्स फोरम, नई दिल्ली द्वारा बैंकिंग उत्कृष्टता के लिए सहकारिता भारती पुरस्कार (2006); असम साहित्य सभा द्वारा कर्मश्री पुरस्कार (2006); डिब्रूगढ़ लेडीज क्लब द्वारा जॉयमोती पुरस्कार 2009; फिक्की एफएलओ पुरस्कार (2009-10); बैंकिंग के क्षेत्र में एनई चेप्टर महिला अचीवर; ऑल लेडीज लीग के वीमेन इकोनोमिक फोरम द्वारा एक्सपेक्शनल वीमेन ऑफ एक्सीलेंस डब्ल्यूईएफ-18 पुरस्कार; न्यूज 18 असम नॉर्थ ईस्ट द्वारा श्रीमोयी पुरस्कार, 2019; आउटलुक बिजनेस ग्रुप द्वारा वीमेन ऑफ वर्थ (2019); जेएसपीएल फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान (2019); डब्ल्यूडीसी, शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जीजाबाई अचीवर्स पुरस्कार (2020) शामिल हैं।